Fourteenth Loksabha

Session : 10
Date : 14-05-2007

Participants : Suman Shri Ramji Lal

Title: Need for effective Implementation of poverty alleviation programmes in the Country.

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) :महोदय, सरकारें गरीबी उन्मूलन हेतु सैंकड़ों-हजारों करोड़ रूपए हर वर्ा खर्च करती है जिसके तहत सरकारी एजेंसियों से लेकर स्वयंसेवी संगठनों द्वारा गरीबी उन्मूलन के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाए जाते हैं परंतु अभी हाल ही में आई विश्व बैंक की ताजा पुस्तक एनडिंग पावर्टी इन साउथ एशिया के अनुसार दक्षिण एशियाई देशों में सबसे अधिक गरीब भारत में रहते हैं और भारत में गरीबी उन्मूलन की गति काफी धीमी है, जो कि अत्यंत चिंताजनक है। वर्ा 2003-04 के अनुसार जहां भारत में कुल आबादी के करीब 28.6 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं जो आबादी के अनुसार 24 करोड़ से ज्यादा है, वहीं भारत की तुलना में श्रीलंका में 25 प्रतिशत लोग ही गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करते हैं, यानी 24 करोड़ लोगों को भारत में दो-जून की रोटी बड़ी मुश्किल से नसीब होती है।

पुस्तक में चौंकाने वाली बात यह है कि बांग्लादेश और श्रीलंका से गरीबी उन्मूलन के मामले में हम पिछड़े हुए हैं, जिस प्रकार से हमारे पड़ोसी देश गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम प्रभावशाली ढंग से लागू कर रहे हैं, उस प्रकार हम अभी तक नहीं कर पाए हैं, संभवतः यह सबसे बडी बाधा रही है गरीबी उन्मूलन में हम बात करते हैं भावी महाशक्ति बनने की, इंडिया शाइनिंग की, चीन के विकास की बराबरी करने की परंतु दुखद बात है कि गरीबी उन्मूलन जैसे मानवीय कटों को भी दूर करने में हम अभी अपने पड़ोसी देशों से पिछड़े नजर आ रहे हैं।

मेरा सरकार से आग्रह है कि समूल रूप से गरीब उन्मूलन के लिए लक्ष्य व समय निर्धारित कर कायक्रम चलाए ताकि इस विाम सामाजिक स्थिति को जल्द से जल्द समाप्त किया जा सके।